# किरातार्जुनीयम् और रघुवंशम् से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न

डा० धनञ्जय वासुदेव द्विवेदी

सहायक प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,

डा० श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची

1. भारवि किसके उपासक थे-

(अ) ब्रह्मा (ब) विष्णु **(स) शिव** (द) पार्वती

2. बृहत्त्रयी में कौन सा महाकाव्य नहीं है-

(अ) किरातार्जुनीयम्  (ब) शिशुपालवधम् (स) नैषधीयचरितम् **(द) कुमारसम्भवम्**

3. किरातार्जुनीयम् कितने सर्गों का महाकाव्य है-

(अ) 17 **(ब) 18**  (स) 19  (द) 20

4. अर्थगौरव के लिए कौन कवि प्रसिद्ध है-

**(अ) भारवि** (ब) कालिदास (स) दण्डी (द) जयदेव

5. 'व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः'-ये उक्ति किस महाकाव्य में है-

(अ) कुमारसम्भवम् **(ब) किरातार्जुनीयम्** (स) शिशुपालवधम् (द) रघुवंश

6. किस महाकाव्य के प्रथम तीन सर्गों को 'पाषाणत्रय' कहा जाता है-

(अ) कुमारसम्भवम् **(ब) किरातार्जुनीयम्** (स) शिशुपालवधम् (द) रघुवंश

7. भारवि का वास्तविक नाम था-

**(अ) दामोदर** (ब) भारवि (स) आतपत्र भारवि (द) इनमें से कोई नहीं

8. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में प्रमुख छन्द है-

(अ) अनुष्टुप् (ब) जगती (स) उपजाति **(द) वंशस्थ**

9. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में वनेचर किससे वार्तालाप कर रहा है-

(अ) दुर्योधन **(ब) युधिष्ठिर** (स) द्रौपदी (द) भीम

10. किरातार्जुनीयम् का कथानक लिया गया है-

(अ) रामायण से **(ब) महाभारत से** (स) पुराणों से (द) गीता से

11. किरातार्जुनीयम् के मङ्गलाचरण में छन्द है-

(अ) आर्या (ब) अनुष्टुप् **(स) वंशस्थ** (द) उपजाति

12. किरातार्जुनीयम् के सर्गान्त में कौन सा शब्द प्रयुक्त हुआ है-

(अ) सरस्वती **(ब) लक्ष्मी** (स) पार्वती (द) शिव

13. किरातार्जुनीयम् में अर्जुन का रूप है-

**(अ) इन्द्र के समान** (ब) शिव के समान (स) विष्णु के समान (द) कृष्ण के समान

14. आतपत्र किसका उपनाम है-

(अ) माघ **(ब) भारवि** (स) भवभूति (द) भास

15. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग में श्लोक संख्या है-

(अ) 50 **(ब) 46** (स) 48 (द) 42

16. बृहत्त्रयी का ग्रन्थ है-

(अ) रघुवंशम् (ब) कुमारसम्भवम् **(स) किरातार्जुनीयम्** (द) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

17. किरातार्जुनीयम् का मुख्य रस है-

(अ) शृङ्गार (ब) शान्त **(स) वीर** (द) इनमें से कोई नहीं

18. पाण्डवों को अज्ञातवास करना पड़ा-

**(अ) एक वर्ष का** (ब) 13 वर्षों का (स) 14 वर्षों का (द) 12 वर्षों का

19. पाण्डवों ने अपना निवास स्थान बनाया-

(अ) शान्तिवन (ब) द्वैतवन (स) तुलसीवन (द) इनमें से कोई नहीं

20. भारवि के पिता का नाम था-

(अ) लक्ष्मीधर **(ब) श्रीधर** (स) कृष्णधर (द) मनोहर

21. किरातार्जुनीयम् का पात्र नहीं है-

(अ) युधिष्ठिर (ब) भीम (स) दुर्योधन **(द) अज**

22. किरातार्जुनीयम् किस विधा का ग्रन्थ है-

(अ) नाटक (ब) गद्य **(स) महाकाव्य** (द) चम्पूकाव्य

23. भारवि की काव्यप्रतिभा को बाहर से कठोर और अन्दर से रसपेशल किसने कहा है-

**(अ) मल्लिनाथ** (ब) धनिक (स) लक्षमीधर (द) इनमें से कोई नहीं

24. दुःशासन को युवराज बनाकर स्वयं यज्ञादि कर्म कौन करता है-

(अ) युधिष्ठिर **(ब) दुर्योधन** (स) धृतराष्ट्र (द) वनेचर

25. किरातार्जुनीयम् का नायक है-

(अ) किरात **(ब) अर्जुन** (स) दुर्योधन (द) युधिष्ठिर

26. किरातार्जुनीयम् के कथानक का मूलस्रोत महाभारत का पर्व है-

(अ) शान्तिपर्व (ब) आदिपर्व **(स) वनपर्व** (द) इनमें से कोई नहीं

27. वर्णिलिङ्गी कौन था-

(अ) दुर्योधन (ब) युधिष्ठिर (स) भीम **(द) वनेचर**

28. वनेचर ने युधिष्ठिर से कहाँ भेंट की-

(अ) वन में **(ब) द्वैतवन में** (स) भवन (द) अन्तःपुर

29. वनेचर किस भेष में गया-

(अ) भिखारी के वेष में (ब) सेवक के वेष में **(स) ब्रह्मचारी के वेष में** (द) राजा के वेष में

30. वनेचर दुर्योधन की बातचीत सुनकर किसके पास गया-

(अ) भीम के पास **(ब) युधिष्ठिर के पास** (स) द्रौपदी के पास (द) कर्ण के पास

31. युधिष्ठिर के पास आकर वनेचर ने सर्वप्रथम क्या किया-

**(अ) प्रणाम किया** (ब) सेवा की (स) समाचार दिया (द) युद्ध किया

32. दुर्योधन के दूत हैं-

(अ) दुष्ट (ब) सज्जन **(स) सच्चरित्र** (द) हितैषी

33. भारवि की रचना है-

(अ) एक (ब) दो (स) तीन (द) चार

34. किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग का आरम्भ होता है-

**(अ) वनेचर के आगमन से** (ब) द्रौपदी के आगमन  से

(स) दुर्योधन के आगमन से (द) शिव के आगमन से

35. 'प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः'-सूक्ति उद्धृत है-

(अ) शिशुपालवध (ब) उत्तररामचरित (स) मेघदूत **(द) किरातार्जुनीयम्**

36. 'हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः'-किसकी उक्ति है-

(अ) किरात **(ब) वनेचर** (स) युधिष्ठिर (द) दुःशासन

37. 'न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः'- कौन किसके द्वारा ठगा नहीं जाना चाहिए-

(अ) धूर्तों के द्वारा राजा को **(ब) सेवकों के द्वारा राजा को**

(स) राजा द्वारा जनता को (द) सेवकों द्वारा जनता को

38. वञ्चनीयाः में प्रत्यय है-

(अ) ल्यप् **(ब) अनीयर** (स) तुमुन् (द) ण्यत्

39. 'नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः'- किस ग्रन्थ से उद्धृत है-

(अ) नीतिशतकम् **(ब) किरातार्जुनीयम्** (स) मेघदूतम् (द) अभिज्ञानशाकुन्तलम्

40. 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः'-सुक्ति उद्धृत है-

(अ) मेघदूत से (ब) शिशुपालवध से **(स) किरातार्जुनीय से** (द) नीतिशतक से

41. 'वितन्यते तेन नयेन पौरुषम्' किसके द्वारा पुरुषार्थ किया जा रहा है-

(अ) युधिष्ठिर के द्वारा (ब) वनेचर के द्वारा **(स) दुर्योधन के द्वारा** (द) द्रौपदी के द्वारा

42. भारवि का प्रिय अलंकार है-

(अ) उपमा (ब) उत्प्रेक्षा (स) रूपक **(द) अर्थान्तरन्यास**

43. 'नयेन जेतुं जगतीं सुयोधनः'-यहाँ 'सुयोधन' पद प्रयुक्त है-

(अ) भारवि (ब) श्रीकृष्ण **(स) दुर्योधन** (द) युधिष्ठिर

44. किरातार्जुनियम् निबद्ध है-

(अ) अध्यायों में **(ब) सर्गों में** (स) काण्डों में (द) अङ्कों में

45. 'नारिकेलफलसम्मितं वचः....' सूक्ति किस कवि के लिए है-

(अ) श्रीहर्ष (ब) माघ **(स) भारवि** (द) दण्डी

46. 'किरातश्च अर्जुनश्च' यहाँ कौन सा समास है-

(अ) द्विगु **(ब) द्वन्द्व** (स) तत्पुरुष (द) बहव्रीहि

47. किरातार्जुनीयम् में प्रत्यय है-

(अ) ढक् **(ब) छ** (स) अच् (द) घ

48. रघुवंश महाकाव्य का रचयिता कौन है-

(अ) वाल्मीकि (ब) माघ **(स) कालिदास** (द) भारवि

49. रघुवंश कैसा काव्य है-

**(अ) पद्यकाव्य** (ब) चम्पूकाव्य (स) गद्यकाव्य (द) दृश्यकाव्य

50. रघुवंश महाकाव्य किसमें विभक्त है-

**(अ) सर्गों में** (ब) अध्यायों में (स) परिच्छेदों में (द) उच्छ्वासों में

51. रघुवंश महाकाव्य में कितने सर्ग हैं-

(अ) 15 (ब) 16 **(स) 19** (द) 17

52. राजा दिलीप किस वंश में उत्पन्न हुए थे-

(अ) नन्द वंश (ब) सारस्वत वंश **(स) वैवस्वत मनु** (द) अन्य

53. रघुवंश के द्वितीय सर्ग में कितने श्लोक हैं-

**(अ) 75** (ब) 80 (स) 90(द) 100

54. महाकवि कालिदास किस अलङ्कार के आचार्य माने जाते हैं-

(अ) श्लेष **(ब) उपमा** (स) अतिशयोक्ति (द) यमक

55. रघुवंश महाकाव्य किन-किन ग्रन्थों से साम्य रखता है-

(अ) वाल्मीकीय रामायण (ब) महाभारत (स) पद्मपुराण **(द) उपर्युक्त सभी**

56. रघुवंश में राजा दिलीप से लेकर अग्निवर्णपर्यन्त कितने राजाओं का वर्णन है-

(अ) 15 (ब) 18 **(स) 20** (द) 22

57. महाराज दिलीप की पत्नी का क्या नाम था-

**(अ) सुदक्षिणा** (ब) ललिता (स) इन्दुमती (द) भानुमती

58. राजा दिलीप पुत्र प्राप्ति के लिए कहाँ गए-

(अ) वाल्मिकि-आश्रम **(ब) वशिष्ठ-आश्रम** (स) विश्वामित्र-आश्रम (द) अन्यत्र

59. रानी सुदक्षिणा नन्दिनी की पूजा किससे करती थी-

(अ) चन्दन (ब) पुष्प (स) माला **(द) उपर्युक्त सभी से**

60. राजा नन्दिनी की इच्छानुसार क्या करते थे-

(अ) रुकने पर रुकते थे (ब) चलने पर चलते थे (स) बैठने पर बैठते थे **(द) उपर्यक्त सभी**

61. पत्नीसहित राजा दिलीप ने नन्दिनी की कितने दिनों तक सेवा की-

(अ) 7 **(ब) 21** (स) 3 (द) 10

62. वशिष्ठ के आश्रम में राजा ने पत्नी सहित किसकी सेवा की-

(अ) वशिष्ठ  की (ब) गुरुपत्नी की **(स) नन्दिनी की** (द) अन्य की

63. रघुवंश के द्वितीय सर्ग में किस सर्ग की प्रधानता है-

**(अ) उपजाति** (ब) वंशस्थ (स) अनुष्टुप् (द) स्रग्धरा